

प्रेषक,

मोहम्मद शाहिद,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
अल्पसंख्यक कल्याण,  
देहरादून।

समाज (अल्पसंख्यक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून : दिनांक 06 जून, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में जनपद उधमसिंह नगर के शक्तिफार्म (सितारगंज) में राजकीय पॉलिटैक्नीक भवन के निर्माण हेतु द्वितीय किश्त की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, शासन के पत्र संख्या-215, दिनांक 21 मार्च, 2013 एवं पत्र संख्या-659, दिनांक 06, जुलाई, 2011 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा भारत सरकार के पत्र संख्या-3/20(1)/2008-PP-I दिनांक 30 दिसम्बर, 2010 द्वारा प्रदान की गयी वित्तीय स्वीकृति के क्रम में जनपद उधमसिंह नगर के शक्तिफार्म (सितारगंज) में राजकीय पॉलिटैक्नीक भवन के निर्माण हेतु भारत सरकार द्वारा अनुमोदित धनराशि ₹ 1230 लाख की सीमा को दृष्टिगत रखते हुए ₹ 1091.12 लाख (₹ 1005.75 लाख सिविल कार्य हेतु + ₹ 85.37 लाख अधिप्राप्ति के कार्यों हेतु) की धनराशि पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये प्रथम किश्त के रूप में वित्तीय वर्ष 2011-12 में प्रक्रियात्मक कार्यों हेतु ₹ 21.51 लाख (₹ इक्कीस लाख इक्कावन हजार) तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में ₹ 593.49 (₹ पांच करोड़ तिरानवे लाख उनचास हजार मात्र) अर्थात् कुल धनराशि ₹ 615.00 (₹ छः करोड़ पन्द्रह लाख मात्र) की धनराशि जारी की गयी थी।

भारत सरकार के पत्र संख्या-3/20(1)/2008-PP-I दिनांक 23 अप्रैल, 2015 के द्वारा अवशेष धनराशि ₹ 615.00 लाख के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में ₹ 323.88 लाख (₹ 138.88 लाख उपकरण खरीद हेतु + ₹ 185.00 लाख सिविल कार्यों हेतु) अवमुक्त की गयी है। तत्क्रम में वित्तीय वर्ष 2015-16 में द्वितीय किश्त के रूप में ₹ 138.88 लाख उपकरण खरीद हेतु + ₹ 185.00 लाख सिविल कार्यों हेतु अर्थात् कुल धनराशि ₹ 323.88 लाख (₹ तीन करोड़ तेईस लाख अठ्ठासी हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान करते हुए वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-318, दिनांक 18 मार्च, 2014 के क्रम में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त भारत सरकार के शासनादेश संख्या-3/20(1)/2008-PP-I दिनांक 23 अप्रैल, 2015 के साथ संलग्नक एनेक्सरों एवं प्रदत्त निर्देशों के अधीन कार्यवाही की जायेगी।
2. उक्त कार्य हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एमओयू अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाये। उक्तानुसार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तान्तरित करा लिया जाना सुनिश्चित कर लिया जायेगा।
3. उओप्रओरओनओ द्वारा एमओयू में निर्धारित समय के अंतर्गत भवन कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कर भवन हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पन्न करा ली जाये।
4. परीक्षण के सन्दर्भ में नियोजन विभाग से समन्वय कर, परीक्षण सम्पन्न कराते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी एवं उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज चार्ज से वहन किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण आख्या शासन को भी प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए। कार्य हेतु पूर्व अवमुक्त धनराशि के पूर्व संतोषजनक व्यय विषयक आख्या प्राप्त होने पर ही वर्तमान में स्वीकृत धनराशि आहरित/व्यय की जायेगी।

6. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय अन्य नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है। आगणन में प्राविधानित व्यय करने से पूर्व उक्त हेतु उत्तराखण्ड आधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में निहित उपबन्धों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा। अव्ययित अवशेष धनराशि राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। यदि अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत अधिक धनराशि की आवश्यकता पड़ती है तो तकनीकी शिक्षा विभाग के सुसंगत लेखा शीर्षकों/मदों से इसकी पूर्ति सुनिश्चित करायी जायेगी। उपकरणों का क्रय/स्थापना निदेशक तकनीकी शिक्षा की सहमति उपरान्त अधिप्राप्ति नियमों के अधीन किया जायेगा।
7. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृति/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से जी गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
8. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
9. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
10. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
11. कार्य के प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुये कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
12. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक-2250-800-01-01-अल्पसंख्यकों हेतु मल्टीसेक्टरल विकास योजना (संलग्न तालिका) के मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जाएगा।
13. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01 अप्रैल, 2015 एवं शासनादेश संख्या:-645/XXVII(1)/2015, दिनांक 04 जून, 2015 में निहित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
14. यह आदेश अलोटमेंट आई डी संख्या-S1506150067, दिनांक 11 जून, 2015 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मोहम्मद शाहिद)

सचिव।

**पृष्ठांकन संख्या:- 813 (1)/ XVII-3/15-07 (09)/2010: तददिनांकित।**

**प्रतिलिपि:** निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक तकनीकी शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी-उधमसिंहनगर।
7. नोडल अधिकारी, आई0 टी0 इनेबल्ड सेल, देहरादून।
8. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, उधमसिंहनगर।
10. महाप्रबन्धक, उ0प्र0 रा0 निर्माण निगम लि0, ई0 34 नेहरू कॉलोनी देहरादून।
11. विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,  
(बी0एस0 बोरा)  
अनु सचिव।